ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 अंक-9 अगस्त-I-2018 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 10.00

व्यवसाय में सफलता के लिए बेहतर संवाद बहुत ज़रूरी - डॉ. सुशील गुप्ता

व्यापारियों एवं उद्योगपतियों के लिए दो दिवसीय सम्मेलन में शरीक हुए इससे जुड़े क्षेत्र के सैंकड़ों गणमान्य लोग

ओ.आर.सी.-गुरूग्राम। किसी भी कार्य को सही ढंग से करने के लिए बेहतर संवाद स्थापित करना बहुत ज़रूरी है। बाहरी संरचना से पहले हमें आंतरिक संरचना का विकास करना बहुत आवश्यक है। जिसके साथ ही एक अच्छी लीडरशिप क्वालिटी का होना बहुत ज़रूरी है। एक अच्छा लीडर ही सबके साथ संवाद स्थापित कर सकता है। उक्त विचार **प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं राज्य सभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता** ने व्यापारियों एवं उद्योगपतियों के लिए आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि परमात्मा से अगर हमें शक्ति प्राप्त करनी है तो उसके लिए भी संवाद स्थापित करना पड़ता है। मैंने इस संस्थान से जुड़कर परमात्मा के साथ संवाद स्थापित कर पाया कि इससे कार्यक्षमता में बेहतरी और वृद्धि हुई। **ओ.आर.सी. निदेशिका ब्र.कु. आशा** ने कहा कि वर्तमान समय व्यापारियों के जीवन में सबसे बड़ी समस्या है तनाव। तनाव हमारी शक्ति को नष्ट कर देता है। उन्होंने कहा कि हम जीवन में जितना बिज़ी रहते हैं, उतना ईज़ी भी रहना है। ईज़ी रहने के लिए हमें स्वयं को जानना बहुत ज़रूरी है। स्वयं के ऊपर ध्यान देने से हमारे गुणों एवं शक्तियों का विकास होता है। फरीदाबाद से आईं **ब्र.कु. उषा** ने कहा कि राजयोग हमें संतुलित रहना सिखाता है। जैसे दीपक खुद प्रज्वलित हो दूसरों को भी राह दिखाता है, ऐसे ही जब हम आत्मज्ञान से प्रज्वलित होते हैं, तो दूसरों का भी सही मार्गदर्शन करते हैं। फरीदाबाद के **डिप्टी मेयर मनमोहन गर्ग** ने कहा कि मैं कुछ समय से ब्रह्माकुमारीज़ के सम्पर्क में हूँ। मुझे यहाँ सेवा का सच्चा समर्पण भाव देखने को मिला। दूसरों की सेवा करने से जिस खुशी और संतुष्टता का अनुभव होता है, वास्तव में वही जीवन की असली पूंजी है। कार्यक्रम में अनेक उद्यमियों और व्यापारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहाँ से जाने के बाद रोज़ की दिनचर्या में वे योग को अवश्य शामिल करेंगे। उन्होंने अनुभव किया कि आज की भागती ज़िन्दगी में उनके लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों की अहम् भूमिका है। मुम्बई से आये **ब्र.कु. हरीश** ने संस्थान के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। ब्र.कु.ज्योति ने संस्था का परिचय दिया। ब्र.कु. सुरेन्द्र ने सभी को धन्यवाद किया। संचालन ब्र.कु. हुसैन ने किया।

सम्मेलन में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. हरीश, ब्र.कु. सुरेन्द्र, राज्य सभा सांसद डॉ. सुशील गुप्ता तथा ब्र.कु. आशा। सभा में शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी लोग।

स्वयं से संवाद कर कार्यक्षमता को बढ़ायें

विश्व विख्यात **जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी** ने कहा कि शांति में एक बहुत बड़ी शक्ति छिपी है। जब हम भीतर से शांत होते हैं तो एकाग्रता की शक्ति बढ़ जाती है। किसी भी कार्य को करने से पहले हम बड़ों का आशीर्वाद लेते हैं, लेकिन वास्तव में हमें सबसे पहले स्वयं का आशीर्वाद लेना ज़रूरी है। स्वयं का आशीर्वाद लेना अर्थात् अपने मन को सकारात्मक विचारों से भरना। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान हम तभी कर सकते हैं जब हमारा मन शान्त हो। किसी भी परिस्थिति का बेहतर सामना करने के लिए स्वस्थिति पावरफुल होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम तन को तो सुला देते हैं लेकिन मन को नहीं सुला पाते। जिसका मूल कारण अत्यधिक तनाव है। तनाव से मुक्त होने के लिए सर्वप्रथम स्वयं को जानना व समझना ज़रूरी।

इंटरनेशल डे ऑफ योगा ईवेंट - इन न्यूयॉर्क

न्यूयॉर्क। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर युनाइटेड नेशन्स द्वारा युनाइटेड नेशन्स चर्च सेंटर के चैपल में एक सुन्दर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मेडिटेशन और साइलेंस विषय पर विशेष ध्यान देते हुए इसे अपनाने पर ज़ोर दिया गया। तीन योगा मास्टर्स ने 'पीस, युनिटी और डिग्निटी' विषय पर विस्तृत रूप से समझाया। सभी योगा मास्टर्स के सम्बोधन के बीच में पाँच पाँच मिनट के लिए शांति की गहन अनुभूति कराई गई। इस अवसर पर **ब्र.कु. गायत्री,** यू.एन. रिप्रेज़ेन्टेटिव ऑफ ब्रह्माकुमारीज़ ने कहा कि शांति हमारा स्वाभाविक संस्कार है और हमारा स्वधर्म भी। योग हममें सदा से निहित उस शांति को बाहर लाने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि योग का अर्थ है जोड़। जब हमारा आध्यात्मिकता से जुड़ाव होता है, तब ही सही मायने में हमारे जीवन में सुख शांति आती है और हम एक अच्छे मनुष्य बन जाते हैं। **परमहंस स्वामी महेश्वरानंद, योगा इन डेली लाइफ** ने युनिटी और योगा के पहलू पर बताते हुए कहा कि ये एक ऐसा एकीकृत बल है जिससे सबकुछ एक साथ ही हमें प्राप्त हो जाता है, क्योंकि हम सभी एक ही हैं और एक ही के हैं। **कॉस्मोलॉजिस्ट जूड कर्रिवल** ने योग को हमारे गौरव और आध्यात्मिक योग्यता से जोड़ने के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि इतिहास का ये एक अत्यंत महत्वपूर्ण समय है, जब योग विविधता में एकीकृत बल बनकर उभरा है। यही समय है जब हम स्वयं को जगा सकते हैं, ऊँचा उठा सकते हैं, स्वच्छ बना सकते हैं और अपनी उन्नति कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान सभी को ब्लैसिंग कार्ड दिया गया। कार्यक्रम का शांतिपूर्ण एवं सुंदर संचालन डेनिस स्कोटो, चेयरमैन, द इंटरनेशनल डे ऑफ योगा कमेटी, युनाइटेड नेशस द्वारा किया गया। बहुत से प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम के प्रति अपना अनुभव सुनाया कि ये कार्यक्रम बहुत ही ऊर्जा देने वाला और रिफ्रेश करने वाला था।

ब्र.कु. गायत्री,यू.एन. रिप्रेज़ेन्टेटिव,ब्रह्माकुमारीज़, परमहंस स्वामी महेश्वरानंद, कॉस्मोलॉजिस्ट जूड कर्रिवल व अन्य।

फ्ल्यूट और पियानो के धुन पर की योगानंद की अनुभूति

कार्यक्रम के दिन अत्यंत गर्मी होने के बावजूद सभी सुंदर शब्दों, वाइलन, फ्ल्यूट और पियानो की धुन में खोकर गर्मी की नहीं बल्कि सिर्फ शांति और सुख की अनुभूति कर रहे थे। टी.डब्ल्यू.एन.वाय. म्युज़िक गिल्ड के विद्यार्थियों द्वारा संगीत सम्बन्धी सुविधा दी गई।